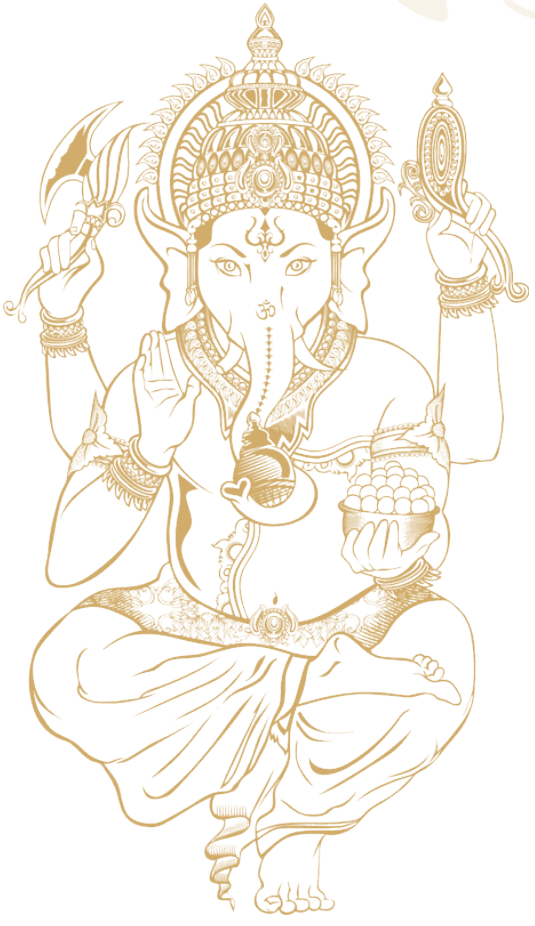

Rahulkumar

06 Nov 2004

07:30 PM

Darbhanga

Model: web-freekundliweb

Order No: 121529826

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**06/11/2004**
दिन	शनिवार
जन्म समय	**19:30:00 घंटे**
इष्ट	33:47:47 घटी
स्थान	**Darbhanga**
राज्य	Bihar
देश	India

अक्षांश	26:10:00 उत्तर
रेखांश	85:54:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	00:13:36 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	19:43:36 घंटे
वेलान्तर	00:16:24 घंटे
साम्पातिक काल	22:48:06 घंटे
सूर्योदय	05:58:53 घंटे
सूर्यास्त	17:01:08 घंटे
दिनमान	11:02:15 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	दक्षिणायन
सूर्य स्थिति(गोल)	दक्षिण
ऋतु	हेमन्त
सूर्य के अंश	20:34:38 तुला
लग्न के अंश	00:48:30 मिथुन

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	मिथुन - बुध
राशि-स्वामी	**सिंह - सूर्य**
नक्षत्र-चरण	**मघा - 2**
नक्षत्र स्वामी	केतु
योग	ब्रह्म
करण	गर
गण	राक्षस
योनि	मूषक
नाड़ी	अन्त्य
वर्ण	क्षत्रिय
वश्य	वनचर
वर्ग	मूषक
युँजा	मध्य
हंसक	अग्नि
जन्म नामाक्षर	मी-मीत
पाया(राशि-नक्षत्र)	ताम्र - रजत
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	वृश्चिक

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			मिथु	00:48:30	338:50:16	मृगशिरा	3	5	बुध	मंगल	बुध	---
सूर्य			तुला	20:34:38	01:00:13	विशाखा	1	16	शुक्र	गुरु	गुरु	नीच राशि
चंद्र			सिंह	05:33:43	12:22:06	मघा	2	10	सूर्य	केतु	राहु	मित्र राशि
मंगल			तुला	03:00:17	00:39:44	चित्रा	3	14	शुक्र	मंगल	शुक्र	सम राशि
बुध			वृश्चि	08:53:07	01:24:43	अनुराधा	2	17	मंगल	शनि	शुक्र	सम राशि
गुरु			कन्या	14:56:05	00:11:40	हस्त	2	13	बुध	चंद्र	गुरु	शत्रु राशि
शुक्र			कन्या	16:27:43	01:13:09	हस्त	2	13	बुध	चंद्र	शनि	नीच राशि
शनि			कर्क	03:25:07	00:00:12	पुष्य	1	8	चंद्र	शनि	शनि	शत्रु राशि
राहु			मेष	08:08:54	00:00:30	अश्विनी	3	1	मंगल	केतु	गुरु	शत्रु राशि
केतु			तुला	08:08:54	00:00:30	स्वाति	1	15	शुक्र	राहु	राहु	सम राशि
हर्ष	व		कुंभ	08:57:42	00:00:16	शतभिषा	1	24	शनि	राहु	गुरु	---
नेप			मक	18:44:00	00:00:27	श्रवण	3	22	शनि	चंद्र	बुध	---
प्लूटो			वृश्चि	26:47:35	00:01:55	ज्येष्ठा	4	18	मंगल	बुध	गुरु	---
दशम भाव			कुंभ	16:35:58	--	शतभिषा	--	24	शनि	राहु	शुक्र	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:55:19

लग्न-चलित

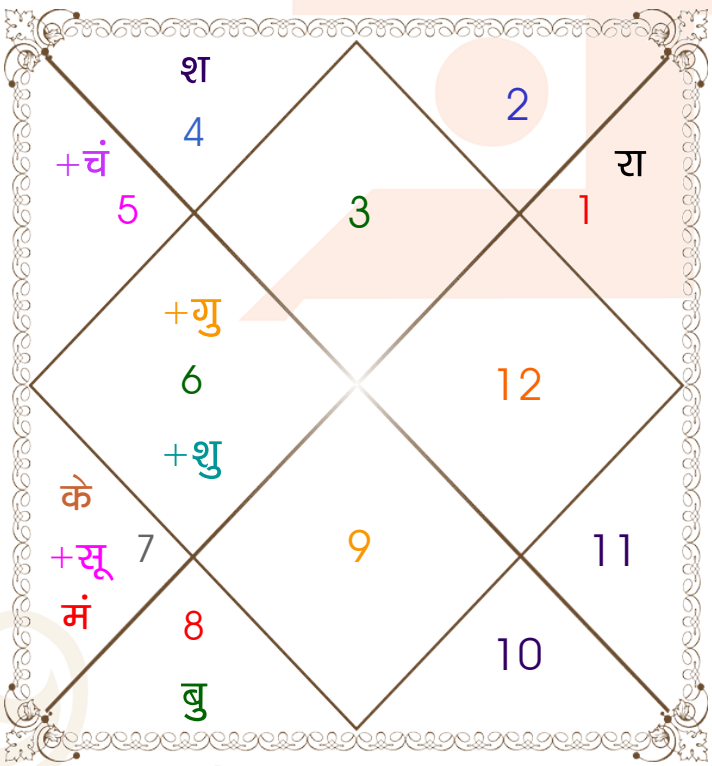

चन्द्र कुंडली

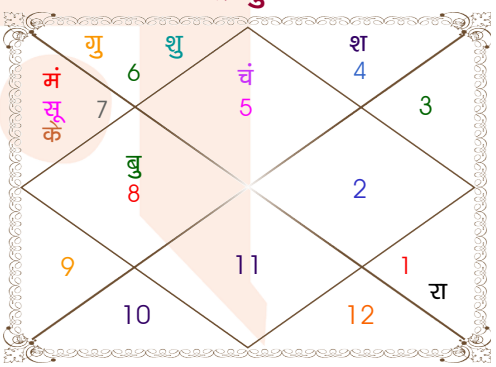

नवमांश कुंडली

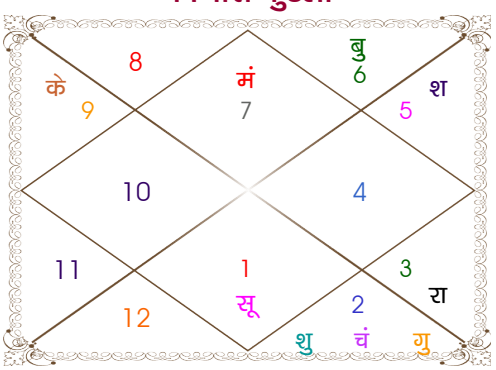

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : केतु 4 वर्ष 0 मास 29 दिन

केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष	
06/11/2004		06/12/2008		06/12/2028		06/12/2034		06/12/2044	
06/12/2008		06/12/2028		06/12/2034		06/12/2044		06/12/2051	
	00/00/0000	शुक्र	06/04/2012	सूर्य	25/03/2029	चंद्र	06/10/2035	मंगल	04/05/2045
	00/00/0000	सूर्य	06/04/2013	चंद्र	24/09/2029	मंगल	06/05/2036	राहु	22/05/2046
	00/00/0000	चंद्र	06/12/2014	मंगल	30/01/2030	राहु	05/11/2037	गुरु	28/04/2047
	00/00/0000	मंगल	05/02/2016	राहु	24/12/2030	गुरु	07/03/2039	शनि	06/06/2048
	06/11/2004	राहु	05/02/2019	गुरु	12/10/2031	शनि	06/10/2040	बुध	03/06/2049
राहु	24/11/2005	गुरु	06/10/2021	शनि	23/09/2032	बुध	07/03/2042	केतु	30/10/2049
गुरु	31/10/2006	शनि	06/12/2024	बुध	31/07/2033	केतु	06/10/2042	शुक्र	30/12/2050
शनि	09/12/2007	बुध	06/10/2027	केतु	06/12/2033	शुक्र	06/06/2044	सूर्य	07/05/2051
बुध	06/12/2008	केतु	06/12/2028	शुक्र	06/12/2034	सूर्य	06/12/2044	चंद्र	06/12/2051

राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष	
06/12/2051		06/12/2069		06/12/2085		07/12/2104		07/12/2121	
06/12/2069		06/12/2085		07/12/2104		07/12/2121		00/00/0000	
राहु	18/08/2054	गुरु	24/01/2072	शनि	09/12/2088	बुध	05/05/2107	केतु	05/05/2122
गुरु	11/01/2057	शनि	06/08/2074	बुध	19/08/2091	केतु	01/05/2108	शुक्र	05/07/2123
शनि	18/11/2059	बुध	11/11/2076	केतु	27/09/2092	शुक्र	02/03/2111	सूर्य	10/11/2123
बुध	06/06/2062	केतु	18/10/2077	शुक्र	27/11/2095	सूर्य	07/01/2112	चंद्र	10/06/2124
केतु	25/06/2063	शुक्र	18/06/2080	सूर्य	08/11/2096	चंद्र	07/06/2113	मंगल	06/11/2124
शुक्र	25/06/2066	सूर्य	06/04/2081	चंद्र	09/06/2098	मंगल	04/06/2114	राहु	07/11/2124
सूर्य	19/05/2067	चंद्र	06/08/2082	मंगल	19/07/2099	राहु	22/12/2116		00/00/0000
चंद्र	17/11/2068	मंगल	13/07/2083	राहु	26/05/2102	गुरु	30/03/2119		00/00/0000
मंगल	06/12/2069	राहु	06/12/2085	गुरु	07/12/2104	शनि	07/12/2121		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल केतु 4 वर्ष 0 मा 21 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म मृगशिरा नक्षत्र के तृतीयपाद से मिथुन लग्न में हुआ था। आपके जन्मकाल मेदिनीय क्षितिज पर मिथुन लग्न के साथ-साथ तुला का नवमांश एवं मिथुन राशि का द्रेष्काण भी उदित था। ज्योतिषीय स्वरूप से स्पष्ट रूपेण यह सूचित हो रहा है कि आप अपने जीवन में धन-संपत्ति संग्रह करने की क्रिया को महत्व देंगे। परंतु यदि आप अपनी जीवन वृत्ति के लिए बिना मार्गदर्शन लिए ही किसी प्रकार की अगुआई किए तो परिणाम स्वरूप बहुत बड़ी समस्या उत्पन्न हो जाएगी। अन्य राशियों की वास्तविकता मिथुन लग्न एवं नवांश का प्रभाव जितना यौगिक शक्ति संपन्न है उतना ही क्षति कारक भी है। ऐसे जातक के जीवन में स्वतः सहजता पूर्वक कर्म पथ पर व्यवधान उत्पन्न हो जाते है। परंतु आप उस दिक्कतों को निष्पादन कर सकते हैं।

आप लंबे आकृति के कृशकाय एवं चमकीली आंखों वाले उदाहरणीय प्राणी हैं। आप विपरीत योनि के प्राणी को बहुत पसंद करते हैं। फलस्वरूप आप नारी के प्रति आकर्षित तथा कामोत्तेजित होकर आनंद विभोर एवं आसक्त हो जाते हैं। इस प्रवृत्ति से आपके स्वास्थ्य ही नही बिगड़ेगे। बल्कि इसी बिंदु पर आपका (घरेलू) पारिवारिक वातावरण दुषित हो जाएगा तथा घरेलू शांति भंग हो जाएगी। सर्वदा कामोत्तेजना एवं मैथुन क्रिया अर्थात् वासनायुक्त कार्यकलाप के परिणामस्वरूप, आपकी प्रजनन शक्ति दुर्बल तथा संतानोत्पत्ति की संभावना क्षीण हो जाएगी। अन्य के साथ कामवासना युक्त होना चिरस्थायी सिरदर्दी के मूल कारण बन जाएंगे। क्योंकि मिथुन लग्न/राशि से प्रभावित जातक अति सतर्कता पूर्वक अपने जीवन संगिनी का चयन कर लेते हैं। यह स्वाभाविक गुण उन में विद्यमान रहती है। पति-पत्नी का आपसी संबंध और सेवा भावना की अति उत्तमत्ता हेतु इन दोनों का जन्म लग्न या राशि सिंह, तुला मेष एवं कुंभ राशि हो, तो इनका पारिवारिक जीवन अपेक्षाकृत संतुलित रहता है।

आप में अत्यंत दुर्बलता यह है कि मिथुन राशि के अंतर्गत आपका जन्म आपको अस्थिर बुद्धि का बना दिया है। इन राशि लग्न से प्रभावित प्राणी अपने मन को कार्य के अनुरूप अपने हाथ से नही बना पाते- क्योंकि इनमें दृढ़ता पूर्वक एकाग्रता के अभाव को दूर करने में असफलता विद्यमान है। ये उतावलेपन और अस्थिर बुद्धि से किसी भी योजना को बदल कर अपने नये कार्य को करने का विकल्प कर लेते हैं। परिणाम स्वरूप सभी कलाओं में प्रवीण रह कर भी कार्य को नहीं संभाल पाते है। ये स्थिरता पूर्वक कार्य को संपादन नहीं कर अनेकों बार अपने कार्य व्यवसाय को परिवर्तित करते हैं।

ये हर दशा में धैर्य धारण करते हैं तथा ये सदैव ही अवाधगति से चलते रहना चाहते हैं। ये कुछ क्षणों के पश्चात् अन्य कार्य योजना को ग्रहण कर एवं उसे शीघ्र सफल कर लेना चाहते हैं। परिणाम स्वरूप निश्चित समय पर उसका परिणाम असंभव हो जाता है।

अतः मिथुन लग्न/राशि से प्रभावित प्राणी बिना विराम लिए ही कार्यरत रहते हैं। इसके प्रभाव से उनका स्वास्थ्य बिगड़ जाता है। क्योंकि ऐसे प्राणी स्थिर नहीं रहते। ये सदैव चिंतित अर्थात् चिंताग्रस्त रहते हैं। इस प्रकार ये आक्रांत होकर, व्यापक रूप से, इन्फ्ल्यूऐंजा,

कंठ रोग, पुरुष संबंधी गुप्त रोग एवं अंग खंडित हो जाए। इस प्रकार के रोग से पीड़ित होते हैं। इस प्रकार के जातक को यथेष्ठ रूप से इस प्रकार के रोगों में विश्राम एवं शयन करना चाहिए। साथ ही श्वांस सम्बन्धी व्यायाम इनके लिए सहायक सिद्ध हो सकता है।

इनके लिए अनुकूल एवं उपयुक्त व्यवसायों में ट्रेवल एजेंसी, शेयर, निवेशक विधि, सिनेमा का धंधा, एकाउंटेंसी बैंकिंग कार्य, तेल व्यवसाय, श्रृंगार प्रसाधन पेय, मदिरा एवं शैक्षणिक कार्य व्यवसाय अनुकूल है। ये यदि चाहें तो अच्छी सफलता हेतु पराविज्ञान संस्थागत सेवा एवं धार्मिक कार्य कर सकते हैं। अपने जीवन में उत्तमता हेतु मिथुन प्रभावित प्राणी के लिए निम्नांकित निर्देश अनुकरणीय है।

आपके लिए बुधवार, एवं शुक्रवार, का दिन अनुकूल हैं, तथा मंगलवार रविवार, गुरुवार एवं सोमवार का दिन कठिन एवं हानिप्रद प्रमाणित होगा। शनिवार मध्य फलदायक है।

आपके जीवन से संबंधित कतिपय अंक 7 एवं 3 अंक अनुकूल एवं प्रभावशाली हैं। परंतु अंक 4 एवं 8 अंक आपके लिए अप्रासंगिक हैं।

आपके लिए अनुकूल रंग हरा, गुलाबी जामुनी रंग, पीला और नीला रंग है। लाल रंग आपके लिए प्रतिकूल प्रमाणित होगा।